पंचदश

बिहार विधान-सभा

चतुर्दश सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 13 आषाढ़ 1936 (शा0) / 4 जुलाई, 2014 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 05

(1) ऊर्जा विभाग	.. .. ..	02
(2) स्वास्थ्य विभाग	.. .. ..	03
	कुल योग —	05

ऑक्सीटॉक्सीन पर प्रतिबंध

8. श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी—दिनांक 28 मई, 2014 को दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित शीर्षक ''ऑक्सीटॉक्सीन का दर्द हुआ नाकाबिले बर्दाश्त'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि ऑक्सीटॉक्सीन युक्त दूध पीने से तमाम तरह की शारीरिक एवं मानसिक रोग हो जाते हैं तथा पशुओं में ''बांझपन'' की स्थिति उत्पन्न हो जाती है;

(2) क्या यह बात सही है कि ऑक्सीटॉक्सीन के दुष्प्रभावों को रोकने के लिये केन्द्र सरकार द्वारा 1994 में ही कानून बनाया गया था जिसके अनुसार सिर्फ पशु अस्पतालों एवं सुनिश्चित अस्पतालों या दुकानों में ही ऑक्सीटॉक्सीन इंजेक्शन उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया था लेकिन आज यह सर्वत्र उपलब्ध है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक कानून के अनुसार ऑक्सीटॉक्सीन पर प्रतिबंध लगाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

महामारी घोषित करना

9. डॉ० इजहार अहमद—दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 7 जून, 2014 को प्रकाशित शीर्षक ''हजारों मरे, फिर भी इंसेफ्लाइटिस को महामारी नहीं मानती सरकार'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत वर्ष 2011 में इन्सेफ्लाइटिस बीमारी से 99 बच्चों की मौत, वर्ष 2012 में 65 बच्चों की मौत, वर्ष 2013 में 102 बच्चों की मौत तथा 2014 में अबतक 19 बच्चों की मौत, हो चुकी है;

(2) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर के तत्कालीन जिला पदाधिकारी आनंद किशोर ने इंसेफ्लाइटिस को महामारी घोषित करने के लिये राज्य सरकार को अनुशंसा वर्ष 2013 में की थी जिसपर सरकार ने इजाजत नहीं दी थी;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इंसेफ्लाइटिस बीमारी को महामारी घोषित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बिजली व्यवस्था सुचारु रखना

10. श्री नितिन नवीन—स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 6 जून, 2014 को प्रकाशित शीर्षक ''पटना के कई इलाके अंधेरे में'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पटना जिला पटना राजधानी में भीषण गर्मी में बिजली सप्लाई चरमरा गई है, उच्च शक्ति के तीन फीडर ब्रेक डाउन कर गये हैं, जिससे पश्चिमी पटना व मध्य पटना की छः-सात लाख की आबादी में बिजली-पानी के लिये हाहाकार मच गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि फीडर ठप होने से बेली रोड, एस०के०पुरी, विवेकानन्द पार्क, आनन्दपुरी, पुनाईचक, बोर्ड कॉलोनी, पाटलीपुत्रा, राजेन्द्र नगर समेत ढेर सारे इलाके बिजली से महरूम हो गये हैं, जिससे लगभग सात-आठ लाख लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राजधानी में इस भीषण गर्मी में लाखों लोग को बिजली एवं पानी से राहत देते हुये बिजली व्यवस्था सुचारु रूप से चालू रखने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

ऊर्जा का औसत खपत बढ़ाना

11. श्रीमती पूनम देवी यादव—क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि "एप्रोच टू 12वीं पंचवर्षीय योजना 2012-17" के अनुसार राज्य में प्रति व्यक्ति ऊर्जा की औसत खपत 122.71 यूनिट है जबकि इसके विरुद्ध वर्तमान में राष्ट्रीय औसत खपत 778.71 यूनिट है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो प्रति व्यक्ति ऊर्जा का औसत खपत राष्ट्रीय औसत को प्राप्त करने के लिये सरकार की क्या कार्य योजना है ?

सुविधा उपलब्ध कराना

12. श्री अरुण शंकर प्रसाद—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि अभीतक राजधानी पटना में किडनी ट्रांसप्लांटेशन, लीवर ट्रांसप्लांटेशन एवं कार्डियक बाईपास सर्जरी की व्यवस्था उपलब्ध नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार आई०जी०आई०एम०एस० और पी०एम०सी०एच०, पटना में उक्त सुविधा उपलब्ध कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना:
दिनांक 4 जुलाई, 2014 (ई०) ।

हरे राम मुखिया,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

बि०स०मु० (एल०ए०), 39 डी०टी०पी०-450